प्रकाशित समाचार

दिनांक : रविवार,22 नवम्बर,2020

पृष्ठ संख्या : 09

डेली हिन्दी मिलाप

DAILY HINDI MILAP

Hyderabad

कीट डीम्ड विश्वविद्यालय का 16वाँ दीक्षांत समारोह आयोजित

हैदराबाद, 21 नवंबर-(मिलाप ब्यूरो) भुवनेश्वर स्थित कीट डीम्ड विश्वविद्यालय ने कोरोना वैश्विक महामारी को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय के सत्र 2019-20 के कुल 7,135 स्नातक तथा स्नातकोत्तरधारी छात्र-छात्राओं के लिए वर्चुअल 16वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। छात्रों को उनके घर पर ही डिग्री प्रदान की गयी।

समारोह के मुख्य अतिथि के रुप में बांग्लादेश के ग्रीन बैंक के संस्थापक तथा 2006 में शांति के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. मोहम्मद यूनुस ने विश्वविद्यालय के कुल 7,135 स्नातक तथा स्नातकोत्तर डिग्री धारकों को डिग्री प्रदान की। अपने संबोधन में उन्होंने जीवन के नये दौर में प्रवेश करने के लिए शिक्षा के वास्तविक महत्व को समझने की बात कही। उन्होंने यह भी संदेश दिया कि आज का युवावर्ग सभी प्रकार से विश्व को नई राह दिखाने में सक्षम है, जिसका वे अपने भावी जीवन में पूरा ध्यान रखेंगे। उन्होंने अपने संबोधन में कीट-कीस के संस्थापक प्रो. अच्युत सामंत के विलक्षण व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए यह बताया कि प्रो. अच्युत सामंत वास्तव में इस वर्ल्ड में थ्री जीरो 'शून्य गरीबी, शून्य बेरोजगार तथा जीरो नेट कार्बन इमीसन्स' पर कार्य कर रहे हैं जो एक अनुकरणीय मिसाल है। छात्रों को उनके विदेह जीवन से सबक लेनी चाहिए।

समारोह को सम्मानित अतिथि आर्ट ऑफ लिविंग के जन्मदाता श्रीश्री रविशंकरजी ने भी संबोधित किया। कीट डीम्ड विश्वविद्यालय ने श्रीश्री रविशंकर को तथा एसके चौधरी, सीएमडी इरकॉन इण्टरनेशनल लिमिटेड को डी. लीटरेचर की मानद डिग्री प्रदान की। विश्वविद्यालय ने डॉ. मृत्युंजय महापात्र, डीजी, मेटरोलाजी, भारत सरकार को डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद डिग्री प्रदान की। समारोह को कीट डीम्ड विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. वेदप्रकाश, कीट डीम्ड विश्वविद्यालय के प्रो चान्सलर पद्मश्री प्रो. सुब्रत कुमार आचार्य, वी.सी. डॉ. एच. महंती, प्रो-वीसी प्रो. एस सामंता तथा रजिस्ट्रार प्रो. जेआर महंती आदि ने भी संबोधित किया। अवसर पर फाउण्डर गोल्ड मेडल, चांसलर गोल्ड मेडल, वीसी सिल्वर मेडल, पीके बल मेमोरियल गोल्ड मेडल, पीपीएल गोल्ड मेडल, नानीबल मेमोरियल गोल्ड मेडल आदि भी प्रदान किये गये। कुल 95 शोधार्थियों को डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान की गई। बातचीत में कीट-कीस के प्राण-प्रतिष्ठाता तथा कंधमाल लोकसभा सांसद प्रो. अच्युत सामंत ने बताया कि उन्हें इस बात की खुशी है कि वैश्विक महामारी कोरोना के बावजूद कीट-कीस की सेवाएं अबाध गति से चल रही हैं, जिसका जीवंत प्रमाण आज का यह वर्चुअल दीक्षांत समारोह है।